my city
अमर उजाला

सूर्योदय सुबह 5.18
सूर्यास्त शाम 7.04

34.3° temperature 26.6°

सोमवार | 08.07.2019
आषाढ़ शुक्ल पक्ष पष्ठी/सप्तमी, विक्रम संवत 2076
lucknow.amarujala.com

लखनऊ

हमारे लगाए पौधे नई पीढ़ी को देंगे स्वस्थ जलवायु

चैतन्य वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से जल, पक्षी एवं प्रकृति संरक्षण गोष्ठी, प्रकृति रत्न सम्मान समारोह का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। धीरे-धीरे धरती से हरे-भरे पेड़ों का अस्तित्व कम होता जा रहा है। मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए पेड़ों की कटाई करके पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जितना जरूरी सांस लेना है उतना ही जरूरी पौधरोपण भी है। जो पौधे हम लगाएंगे वह भले ही हमारे काम ना आएं, लेकिन आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ जलवायु और स्वस्थ वातावरण जरूर देंगे।

कैफी आजमी अकादमी सभागार में रविवार को आयोजित प्रकृति रत्न सम्मान समारोह में महापौर संयुक्ता भाटिया ने किया प्रकृतिसेवियों का सम्मान।

यह बातें रविवार को निशातगंज के कैफी आजमी अकादमी सभागार में चैतन्य वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से आयोजित प्रकृति रत्न सम्मान समारोह में पूर्व डीजीपी सुलखान सिंह ने कहीं। इस मौके पर 55 प्रकृति सेवियों को प्रकृति रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में महापौर संयुक्ता भाटिया, डीजी टेकिभनकल महेंद्र मोदी, राज्य सूचना आयुक्त सुभाष चंद्र सिंह, भाजपा युवा नेता नीरज सिंह मौजूद रहे। महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन काल में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए।

जल गुरु महेंद्र मोदी ने जलस्तर बढ़ाने, बारिश के पानी से पानी बचाने के तरीके, पानी की किल्लत खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की। सुभाष चंद्र सिंह ने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखना है तो पर्यावरण और पानी बचाना होगा। संस्था की अध्यक्ष ओम सिंह ने बताया कि पिछले 3 वर्षों से चलाए जा रहे सेव बड्र्स अभियान में लोगों को चैलेंज दिया गया था कि वह भीषण गर्मी के मौसम में भूखे और प्यासे पक्षियों के लिए दाना और पानी की व्यवस्था प्रतिदिन करें और उसकी तस्वीरें साझा करें। प्राप्त लगभग तस्वीरों में से 55 पर्यावरण एवं पक्षी प्रेमियों को चयनित कर अतिथियों ने प्रकृति रत्न सम्मान से सम्मानित किया। राजभवन में तैनात निरीक्षक कुलदीप सिंह को पर्यावरण मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। नन्हे सात्विक सिंह ने पर्यावरण को संतुलित करो कविता सुनाकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। सभी को फल और छाया प्रदान करने वाले पौधे दिए गए।